

Inhaltsverzeichnis

| | | |
|----------|---|-----|
| 1. | Einleitung | 9 |
| 1.1. | Vorbemerkung | 9 |
| 1.2. | Die Entstehungsfrage | 10 |
| 1.3. | Das Problem der Tradition | 13 |
| 1.4. | Zur Frage der Historizität der Vorlagen | 17 |
| 1.5. | Die ästhetische Bedeutung des historischen Elements | 21 |
| 1.6. | Die Bedeutung ausländischer Einflüsse für die Entstehung der norrönen Prosaliteratur | 22 |
| 1.7. | Zusammenfassung | 27 |
| 2. | Zeitgestaltung und Komposition | 29 |
| 2.1. | Saga und Chronik | 29 |
| 2.2. | Äußerer Umfang und <erzählte Zeit> | 30 |
| 2.2.1. | Hrafnkels saga | 32 |
| 2.2.2. | Gísla saga Súrssonar | 33 |
| 2.2.3. | Gunnlaugs saga ormstungu | 34 |
| 2.2.4. | Eyrbyggja saga | 36 |
| 2.2.5. | Laxdœla saga | 38 |
| 2.2.6. | Zusammenfassung | 40 |
| 2.3. | Die Phasengliederung | 42 |
| 2.3.1. | Hrafnkels saga | 43 |
| 2.3.2. | Gísla saga Súrssonar | 58 |
| 2.3.2.1. | Quellen und Vorstufen | 58 |
| 2.3.2.2. | Aufbau und Komposition | 60 |
| 2.3.3. | Gunnlaugs saga ormstungu | 82 |
| 2.3.3.1. | Der Einfluß der Tradition auf die Erzählform | 82 |
| 2.3.3.2. | Aufbau und Komposition | 84 |
| 2.3.4. | Eyrbyggja saga | 99 |
| 2.3.4.1. | Quellen und Vorstufen | 99 |
| 2.3.4.2. | Aufbau und Komposition | 102 |
| 2.3.5. | Laxdœla saga | 115 |
| 2.3.5.1. | Quellen und Vorstufen | 115 |
| 2.3.5.2. | Aufbau und Komposition | 117 |
| 3. | Die Darstellung der Zeit | 131 |
| 3.1. | Die Zeit im linearen Ablauf der Handlung | 131 |
| 3.2. | Form und Funktion der Vorausdeutungen und Rückwendungen | 138 |
| 3.2.1. | Die Vorausdeutungen | 138 |
| 3.2.2. | Die Rückwendungen | 146 |
| 4. | Ergebnisse | 149 |
| | Verzeichnis der Abkürzungen | 153 |
| | Literaturverzeichnis | 154 |